प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
25.09.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1100 बजे

जी.एस.टी.

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। जीएसटी सुधार इस महीने की 22 तारीख से लागू हो चुके हैं। विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं पर कर की दर कम करके, ये सुधार नागरिकों को काफी राहत पहुँचा रहे हैं।

नये जीएसटी सुधरो के अंतर्गत सरकार ने कामन अवशेष्ठ अवशेध शोधन संयंत्र पर लगाने वाले जीएसटी को 12प्रतिशत से घटकर 5प्रतिशत कर दिया है। इस यंत्र पर टैक्स कम होने से उद्योगों को केंद्रित कचरा प्रबंधन अपने की प्रेरणा मिलेगी। इससे प्रदूषण कम होगा और औद्योगिक क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। कम दरों से कचरे की छटाई, संयत्र संचालन और रख–रखा जैसे क्षेत्रों में हरित रोजगार भी पैदा होंगे। इसी तरह बायोडिग्रेडेबल बैग पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटा कर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। जिससे बैग सस्ते होगें, और उपभोक्ता व दुकानदार प्लास्टिक बैग के बजाए इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित होगे, और प्लास्टिक प्रदूषण घटेगा सरकार का मानना है कि कम जीएसटी से अनुसंधान का विकास बायो पॉलीमरों स्टार्च आधारित और खाद्य आधारित सामाग्रियों के विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। किसानों को राहत देने और सोलर पंप सस्ता करने के लिए जीएसटी परिषद ने सौर और पवन उपकरणों पर कर 12: से घटकर 5: कर दिया है। अब सोलर कुकर सोलर, पावर जनरेटर, पवन चक्की वायु जनरेटर पर भी सिर्फ 5: जीएसटी लगेगा।

भारत मंडपम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज शाम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 का उद्घाटन करेंगे। चार दिन के इस आयोजन में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, खाद्य स्थिरता और पौष्टिक और जैविक खाद्य उत्पादन में भारत की क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा। यह भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में परिवर्तनकारी यात्रा को प्रदर्शित करेगा और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निवेश के अवसरों को भी बढ़ावा देगा।

इस वैश्विक खाद्य आयोजन में 21 से अधिक देशों, 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तथा दस केंद्रीय मंत्रालयों की भागीदारी होगी। यह भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में हितधारकों का सबसे बड़ा सम्मेलन है।

मुख्यमंत्री

राज्य सरकार चम्बा जिला की दुर्गम पांगी घाटी के धनवास में साढ़े 10 करोड़ रुपये की लागत से एक मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयत्र स्थापित करने जा रही है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि इस संयत्र से क्षेत्र की 19 पंचायतों को सर्दी में भी निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध रहेगी । उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पांगी घाटी के समग्र विकास को नई गति और दिशा मिलेगी।

मौसम

प्रदेश के अधिकांश भागों में आज मौसम आमतौर पर साफ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष मॉनसून के दौरान प्रदेश भर में सामान्य से 42 फीसदी अधिक बारिश हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 30 सितंबर तक मौसम के साफ रहने की संभावना है।